P-1114

Total Pages : 3 Roll No. .....

DMA-103

ज्योतिषशास्त्र में विविध व्याधि योग

Diploma in Medical Astrology (DMA)

1st Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. बाल रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

2. अस्थि एवं स्न्नायु रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

3. कर्ण, नासिका तथा गला रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

4. कालपुरुष का रोगों से क्या सम्बन्ध है? विस्तार में वर्णन करें।

5. कालपुरुष की अवधारणा पर विस्तृत निबन्ध लिखें।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. क्षय रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

2. गुप्त रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

3. गुर्दा रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

4. चर्म रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

5. वस्ति रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

6. हृदय रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

7. नेत्र रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

8. मुख रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।